भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 260

30 नवम्बर, 2021 को उत्तरार्थ

विषय: मिट्टी की उर्वरता में कमी

260. श्री पी.पी. चौधरी:
श्री महेंद्र सिंह सोलंकी:
श्री कृष्णपाल सिंह यादव:
श्रीमती संध्या राय:
श्री संगम लाल गुप्ता:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सूखे, पानी की कमी आदि से प्रभावित स्थानों की मिट्टी में उर्वरता और पोषक तत्वों की हानि का अनुमान लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो विशेषकर राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त राज्यों में मिट्टी की उर्वरता के मामले में चुनौतियों का सामना कर रहे जिलों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता बढ़ाने के उपाय शुरू करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उन किसानों को दी गई किसी सहायता का ब्यौरा क्या है जो अपने खेत में अनुपजाऊ मिट्टी के कारण नुकसान उठा रहे हैं;

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (ग): सरकार ने सूखे, पानी की कमी आदि से प्रभावित स्थानों में मिट्टी में उर्वरता और पोषक तत्वों की हानि का अनुमान लगाने के लिए कोई अध्ययन नहीं करवाया है।

(घ) और (ड.): सरकार मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता का पता लगाने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना कार्यान्वित कर रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड अच्छे मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अजैविक और जैविक उर्वरकों के संतुलित और एकीकृत उपयोग के बारे में जानकारी के साथ-साथ मिट्टी की पोषक स्थिति प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि होती है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिशों के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग के बारे में निदर्शन और किसानों को उर्वरकों के उचित और समन्वित उपयोग पर प्रशिक्षण, इस योजना के अभिन्न अंग हैं।

****